UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A 2nd YEAR (M.A.S.O.-10)

द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15 May, 2012

Course Title: Contemporary Sociological theories **Course Code: MASO-05**

कोर्स शीर्षक: समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धान्त **कोर्स कोड: MASO-05**

Year: 2011-12 (Summer) **Maximum Marks:**40

सत्र– 2011–12 अधिकतम अंक–**40**

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

Briefly discuss the following:
निम्न की संक्षेप मे चर्चा कीजिए :

1. Relationship between concept & theory
   अवधारणा और सिद्धान्त के बीच सम्बन्ध।

2. Sociological theory
   समाजशाश्त्रीय सिद्धांत

3. Middle range theory
   मध्यम मार्गीय सिद्धान्त।

4. Theory
   सिद्धान्त।

5. Positivism & its Characteristics
   प्रत्यक्षवाद एवं उसकी विशेषतायें।

6. Steps of Historical Methods
   ऐतिहासिक विधि के चरण।

7. Phenomenology & its characteristics
   प्रघटना शास्त्र एवं उसकी विशेषतायें।

8. Feminism
नारीवाद

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.
भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है।

1. Discuss in details types of theory & their importance
सिद्धान्तों के विभिन्न प्रकार तथा महत्व की विवेचना कीजिए।

2. Discuss in details Sorokin cultural mobility & Karl Marx historical Materialism
सौरोकिन के सांस्कृतिक गतिशीलता सिद्धान्त की विस्तार पूर्वक व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the Marxian theory of conflict and its relevance.
संघर्ष का मार्क्सवादी सिद्धान्त की विवेचना कीजिये एवं इसकी प्रासंगिकता बताइये।

4. Discuss the contribution of G.H. Mead in symbolic-interactionism theory.
प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावादी सिद्धान्त में जी.एच. मीड के योगदान की विवेचना कीजिये।